UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल
मानविकी विद्याशाखा

सत्रीय कार्य (ASSIGNMENT) - 2016 -17

बी0ए0 -12/ बी0ए0एस- 16 (कला में स्नातक) तृतीय वर्ष

ज्योतिष (द्वितीय पत्र)

कोर्स शीर्षक - मेलापक एवं विवाह मुहूर्त्त विचार | **कोर्स कोड - BAJY - 302**

शैक्षिक सत्र - 2016 – 17 | **अधिकतम अंक – 40/30**

जमा करने की अन्तिम तिथि – 30 अप्रैल 2017

निर्देश: -

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये है, उनमें से किन्हीं चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4/5 अंक का है। खण्ड 'ख' में 4 प्रश्न दिये गये हैं। जिनमें से किन्हीं 2 प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। इस खण्ड का प्रत्येक प्रश्न 7/10 अंक का है। बी0ए0-12 पाठ्यक्रम कोड के अभ्यर्थियों के लिये सत्रीय कार्य का पूर्णांक 40 अंक का तथा बी0ए0एस -16 कोड के अभ्यर्थियों के लिये पूर्णांक 30 अंक का होगा।

खण्ड – 'क'

1. मेलापक की उपयोगिता पर प्रकाश डालिये ।
2. तारा एवं योनि विचार का लेखन कीजिये ।
3. षडाष्टक एवं द्विर्दादश योग से आप क्या समझते है ? परिहार सहित लेखन कीजिये ।
4. वैधव्य योग क्या है ? परिहार सहित लेखन कीजिये ।
5. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिये -
   क. वर – कन्या वरण ख. त्रिबल शुद्धि विचार
6. विवाह के प्रकारों का स्पष्ट उल्लेख कीजिये ।
7. वधूप्रवेश एवं द्विरागमन मुहूर्त्त लिखिये ।
8. विषकन्या योग का परिहार सहित लेखन कीजिये ।

खण्ड - 'ख'

1. विवाह प्रयोजन पर निबन्ध लिखिये।
2. त्रिज्येष्ठ विचार का विस्तृत वर्णन कीजिये ।
3. विवाह मुहूर्त्त में कथित दस दोषों का परिहार सहित वर्णन कीजिये ।
4. पितृगृह निवास में विशेष पर टिप्पणी लिखिये ।